

प्रेषक,

अतर सिंह
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवायें,
उत्तरांचल, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक : 31 अक्टूबर, 2006

विषय: ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक कालेज, हरिद्वार में शल्य भवन निर्माण हेतु अवशेष धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र सं०-253/XXVIII(1)2004-24/2004 दिनांक 25 मार्च, 2006 तथा आपके पत्र सं०-6825/निर्माण/2006-07/लेखा दिनांक 26 सितम्बर, 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2006-07 में ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक कालेज, हरिद्वार में शल्य भवन निर्माण हेतु रु० 55.90 लाख/- (रुपये पचपन लाख नब्बे हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक स्वीकृति के सापेक्ष उपरउल्लिखित शासनादेश दिनांक 25 मार्च, 2006 के द्वारा रु० 40.00 लाख (रुपये चालीस लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी थी, के क्रम में अवशेष धनराशि रु० 15.90 लाख (रु० पन्द्रह लाख नब्बे हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि के व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों में जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हो, कि स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा।
3. कार्य कराते समय राजकीय निर्माण निगम के स्वीकृत विशिष्टियों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा।



14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1149/वित्त अनुभाग-3/2006, दिनांक 30 अक्टूबर, 2006 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अतर सिंह)
उप सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
3. प्राचार्य/अधीक्षक, नृसिंहकुल राजकीय आयुर्वेदिक कालेज, हरिद्वार।
4. क्षेत्रीय प्रबन्धक उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, ई-34 नेहरू कालोनी, देहरादून।
5. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संशोधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन.आई.सी.
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
8. आयुक्त कुमायुं/गढ़वाल मण्डल, उत्तरांचल।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा सी

(अतर सिंह)
उप सचिव।

4. उक्त धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्पश्चात् क्षेत्रीय प्रबन्धक उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, प्रथम तल, ई-34, नेहरू कालोनी को उपलब्ध कराई जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपभोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। निर्माण एजेंन्सी कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि कार्य स्वीकृत लागत में ही पूर्ण कराया जायेगा तथा किसी भी दशा में लागत पुनरीक्षित नहीं की जायेगी तथा कार्य मार्च 2007 तक पूर्ण कर लिया जाय।
5. स्वीकृत धनराशि के आहरण से सम्बन्धित वारुचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
6. कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक हैं। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
7. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप की कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
8. कार्य करने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
9. स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्गत किया गया है।
10. निर्माण के समय यदि किसी कारणवश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की स्वीकृति आवश्यक होगी।
11. उक्त भवनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े।
12. धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार अथवा मितव्ययता को ध्यान में रखकर किया जाय।
13. उक्त व्यय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें, 800-अन्य व्यय आयोजनागत-00-03-राज्य सैक्टर, 0301-आयुर्वेदिक महाविद्यालयों का निर्माण कार्य, 24- वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

A